>

Title: Regarding import of sub-standard wheat at a higher price.

श्री भँवर सिंह डांगावास (नागौर) : सभापति महोदय, अभी हाल में आयातित गेहूं पर चर्चा हुई थी। यह सरकार की बहुत बड़ी गलती थी कि गेहूं का उत्पादन रोक करके, बाहर से खाद्यान्न मंगाया गया, यहां तक कि महाराष्ट्र सरकार ने, जोकि माननीय शरद पवार जी की सरकार है, उसने भी गेहूं, जो आयात हुआ था, को विदड्रा कर दिया। मध्य प्रदेश के अंदर ऐसा गेहूं देने से लोग बीमार हो गये, वहां किसानों की स्थिति बहुत खराब है और वे सुसाइड करने के कगार पर हैं। कृषि आज घाटे का धंधा हो गया है। खरीफ फसल के समय बरसात समय पर नहीं होती है और कभी कम तो कभी ज्यादा होती है। यहां तक कि बीज, खाद और मेहनत किसान की बेकार चली जाती है। रबी फसल के समय, जब से विद्युत वितरण कंपनियों व निगमों के पास चला गया है, विद्युत की कीमत अत्यधिक हो गयी है। बिजली के मीटर-ट्रंसफोर्मर ऐसे लगाये गये हैं जिनसे मीटर रीडिंग अधिक आती है। खाद की कीमतें बढ़ गयी हैं और डीएपी खाद का मिलना मुश्किल हो गया है जिससे उत्पादन कम हो रहा है, तथा चोर बाजार से डीएपी खाद खरीदनी पड़ती है। कृषि फसलों पर प्राकृतिक प्रकोप फसलों को चौपट कर देता है। कृषि मजदूरी बहुत महंगी हो गयी है। कृषि बीमा का मूल्यांकन गांव के आधार पर नहीं होने के कारण यह योजना पूरी तरह विफल हो गयी है। सरकार द्वारा समर्थन मूल्य का निर्धारण सही ढंग से नहीं होता है।[r81]

सभापति महोदय, कृषि उत्पादन के खर्चे से 10 प्रतिशत अधिक मूल्य निर्धारित होना चाहिए या मूल्य सूचकांक के आधार पर ऐसा न होने की वजह से किसानों ने कृषि छोड़ कर मजदूरी करना शुरू कर दिया है। यहां तक कि कस्बों में जा कर चाय आदि की दुकानों पर काम करके अपना पेट भरने की चेष्टा करते हैं। इन कार्यों से किसी परिवार का पालन नहीं होता है और वे आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाते हैं। कृषि प्रधान देश में किसानों की ऐसी हालत है, इससे दुखद बात कोई और नहीं हो सकती है।

मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि कृषि को लाभप्रद बनाए ताकि इतना उत्पादन हो कि कहीं से भी कृषि को आयात न करना पड़े।

MR. CHAIRMAN : We remain here for such a long time, to make this submission. If you are making such a long and lengthy statement, how can we finish it?

Since all of you are interested in this, I sit here; if you make such lengthy statements, when will it end?